प्रेस-विज्ञप्ति

दीव में समाहर्ता के नेतृत्व में चलाया गया स्वच्छता अभियान

'स्वच्छता हेतु श्रमदान' में सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ स्वयंसेवियों और आम-नागरिकों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

दीव 15 जून, 2019: 'वायु-चक्रवात' के प्रभाव से दीव जिले में वृक्षों के गिरी हुई टहनियों और पत्तों के साथ-साथ बिखड़े हुए मलबों और कुड़ा आदि को हटाने के लिए दीव समाहर्ता श्री हेमन्त कुमार के नेतृत्व में दीव प्रशासन द्वारा स्वच्छता हेतु श्रमदान का आयोजन हुआ। इस अभियान में की बागडोर स्वयं दीव समाहर्ता ने संभाली और अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों के सहयोग से पूरे दीव जिले को स्वच्छ बनाने का कार्य किया।

आज सुबह 7 बजे से ही दीव के अलग-अलग जगहों पर प्रशासनिक टीम ने स्वच्छता अभियान का कार्यभार संम्भाला और चक्रवात के कारण फैले गंदगी और वृक्ष की शाखाओं को इकट्ठा किया। इस अभियान में दीव के स्कूली बच्चों के साथ-साथ एन.एन.एस. और एन.सी.सी. के स्वयंसेवकों ने भी श्रमदान किया। इसमें वार्ड एवं ग्राम पंचायतों के सदस्यों के साथ वहां के निवासियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सफाई के काम की देखरेख प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपी गई थी। दीव समाहर्ता श्री हेमन्त कुमार ने साउडवाडी का मोर्चा संभाला था जबकि मुख्य अधिकारी श्रीमती वंदना राव ने दीव शहर एवं फुदम में स्वच्छता अभियान की निगरानी का कार्य किया। दीव के उप-समाहर्ता डॉ. अपूर्व शर्मा ने बुचरवाडा में स्वच्छता अभियान को गति प्रदान करने का कार्य किया। इसके अलावा दीव एस.पी. श्री हरेश्वर स्वामी ने वणांकबारा, एस.डी.पी.ओ. श्री रवीन्द्र शर्मा ने जोलावाडी, दमण के मुख्य अधिकारी श्री वैभव रिखारी ने घोघला क्षेत्र में सफाई अभियान की निगरानी और मार्गदर्शन किया।

प्रशासन के छह अधिकारियों के नेतृत्व में कुल आठ टीमों का गठन किया गया था जिसमें वणांकबारा के टीम लीडर के रूप में श्री संदीप बारिया ने अपने टीम के साथ वणांकबारा के सभी प्रभावित क्षेत्रों के साफ-सफाई का कार्य किया। श्री रानेश बारिया ने अपने टीम के साथ जोलावाडी क्षेत्र में सफाई अभियान को गति एवं दिशा दी। घोघला के विस्तार को देखते हुए वहां

दो टीमों की तैनाती की गई थी जिसमें एक टीम को रेंज वन अधिकारी श्री के. एस. गायकवाड के नेतृत्व में कार्य में नियोजित किया गया था वहीं दूसरी टीम को सरकारी पॉलिटैक्निक के प्राचार्य श्री नितिन गजवानी के लीडरशीप में साफ-सफाई का जिम्मा सौंपा गया था। इन दोनों टीमों ने घोघला के स्थानीय लोगों के साथ मिलकर सभी स्थलों की साफ-सफाई को मूर्तरूप दिया। इस क्षेत्र के सघन मुहल्लों को भी पूर्णरूप से साफ किया गया ताकि लोगों को किसी भी प्रकार की मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़े। सहायक शिक्षा निदेशक श्री दिलावर मंसूरी ने दीव शहर की स्वच्छता का अभियान सरकारी महकमे और स्कूली बच्चों के सहयोग से किया। इसी तरह आबकारी निरीक्षक श्री दीक्षित चरणिया ने साउदवाडी, श्री दीपक निगम ने फुदम तथा जिला पंचायत के सहायक शिक्षा निदेशक श्री हरिलाल वाला ने बुचरवाडा में टीम का नेतृत्व किया। विधिवत तरीके से गठित टीमों ने समयबद्ध तरीके से श्रमदान कर संपूर्ण दीव जिले में स्वच्छता अभियान को अमलीजामा पहनाया।

स्वच्छता अभियान के मद्देनजर प्रशासन की ओर से श्रमदान करने वालों के लिए दस्तानों और कचड़े की थैलियों की व्यवस्था की गई थी। साफ-सफाई के उपरांत कचड़ों और वृक्ष की टहनियों को अलग-अलग ट्रॉलियों में भरकर विनिर्दिष्ट डंपिंग स्थलों में रखे दिये गये हैं। पर्यटन के लिए प्रसिद्ध दीव जिले में कल शाम से ही पर्यटकों के आवागमन की अनुमित दे दी गई है। आज सुबह से ही पर्यटकों और आगंतुकों का तांता दीव के पर्यटन स्थलों और बिचों पर देखने को मिला। दीव में जन-जीवन एकदम सामान्य हो गया है। प्रशासन के पुख्ता इंतजाम के कारण दीववासियों और प्रदेश में आये हुए पर्यटकों को किसी भी प्रकार की मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ा।

जिला समाहर्ता ने श्रमदान करने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, पार्षदों, सरपंचों, स्वयंसेवकों, स्कूली बच्चों और आम नागरिकों को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने बताया कि स्वच्छता सर्वोपरि है और जिन स्थलों पर आज साफ-सफाई का काम शेष रह गया है उसे कल यानि रविवार और सोमवार को पूरा किया जाएगा। पुन: आने वाले दिनों में इसी प्रकार स्वच्छता अभियान चलाये जाएंगे ।